भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ल के सहयोग से शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दक्षिण बिह सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद , भभुआ, कैमूर (बिहार) एवं भूपेश गुप्त महाविद्यालय, भभुआ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय: "आदिवासी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं इतिहास लेखन में नव विमर्श"

दिनांव: 22 - 23 अगस्त 2025

शोध-पत्र प्रस्तुति की अंतिम तिथि : 31 जुलाई 2025

ऑनलाइन पंजीकरण लिंक: https://forms.gle/Vhk85XVV83Xevi4P9

"आदिवासी विरासत को समझने और नव विमर्श को प्रोत्साहित करने के लिए हमसे जुड़ें!"

यह संगोष्ठी आदिवासी समुदायों की , साहित्य, संस्कृति एवं इतिहास लेखन को नवीन दृष्टिकोणों से समझने प्रयास है। इसका उद्देश्य आदिवासी पहचान, सांस्कृतिक मूल्यों और ऐतिहासिक योगदान को मुख्यधारा में स्थान दिलाना है।

मुख्य विषयवस्तु :

* आदिवासी भाषाओं का संरक्षण एवं प्र

* साहित्य में आदिवासी अस्मिता और संघ

* संस्कृति और परंपराएँ: आधुनिक संदर्भों

* इतिहास लेखन में आदिवासी दृष्टिव

कार्यक्रम वि :

प्रथम दिवस (22 अगस्त 2025):

* उद्घाटन स : मुख्य अतिथि का स्वागत एवं थीम प्रस्तुति

* सत्र 1: "आदिवासी भाषा और साहित्य : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ"

* सत्र 2: "लोककथाएँ और मौखिक परंपराएँ"

* सांस्कृतिक संध्या: आदिवासी नृत्य/संगीत प्रस्तुति

द्वितीय दिवस (23 अगस्त 2025):

* सत्र 3: "इतिहास लेखन में आदिवासी दृष्टिव "

* सत्र 4: "आदिवासी संस्कृति और पर्यावरणीय चे "

* समापन सत्र: निष्कर्ष एवं भविष्य की दि

संपर्क विवरण:

□□: +91-8709874612

□□□: seminarsvpc@gmail.com

यह संगोष्ठी आदिवासी समाज की भा , सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर को पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आइए, इस बौद्धिक एवं सांस्कृतिक यज्ञ में सहभागी बनें और इस समृद्ध विरासत के संरक्षण ए संवर्धन में अपनी भूमिका निः

"आदिवासी आवाज़: संरक्ष□, □□□, सम्मान"

प्राचार्य: ड□. शंकर प्रसाद शर्मा

संगोष्ठी सम : □□. प्रियंका कुमारी मि